

अभ्यास - पत्र
कक्षा - पांचवी
विषय - हिंदी
पाठ -12 गुरु और चेला

गुरु एक थे और था एक चेला, चले घूमने पास में न था धेला | चले,
चलते-चलते मिली एक नगरी, चमाचम थी सड़के, चमाचम थी डगरी मिली
एक ग्वालिन, धरे शीश गगरी, गुरु ने कहा तेज ग्वालिन न भगरी , बता
कौन नगरी बता कौन राजा, कि जिसके सुयश का यहाँ बजता बाजा |

उपर्युक्त पंक्तियाँ पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखो :

1. चलते-चलते उन्हें क्या मिली ?
उ.-----
2. उस नगरी की सड़के और डगरी कैसी थी ?
उ.-----
3. ग्वालिन ने शीश पर क्या धरा हुआ था ?
उ.-----
4. ऊपर लिखी पंक्तियाँ किस कविता से ली गयी हैं ?
उ.-----
5. इस कविता के कवि का नाम बताओ ?
6. उ.-----

लेखन

नीचे लिखे शब्दों को पढ़ो और दिए गए वाक्यों में ये शब्द भरो :
पटापट , फटाफट, चकाचक, खटाखट, झकाझक , चटपट , चटाचट

1. आंधी के कारण पेड़ से _____ फल गिर रहे थे ।
2. आज रहमान ने _____ सफ़ेद कुरता पजामा पहना था ।
3. हंसा अपना सारा काम _____ कर लेती हैं ।
4. उस भुक्खड़ ने _____ सारे लड्डू खा डाले ।
5. सारे बर्तन धुलकर _____ हो गए ।

व्याकरण

1. उलटे अर्थ वाले शब्द लिखो :
गुरु - _____ , राजा - _____
2. अर्थ लिखो :
संतरी - _____ धेला : _____
3. लिंग बदलो :
रानी : _____
4. समान तुक वाला शब्द लिखो :
मलाई - _____
5. वचन बदलो :
दीवार -----

सृजनात्मक लेखन

कविता को ध्यान से पढ़कर अंधेर नगरी के बारे में वाक्य लिखो ।
(सड़के,बाज़ार,राजा का राजकाज)

उ.-----

वर्तनी

1. सही रूप लिखो :-
छन - _____
2. सही वर्ण पर उ की मात्र लगाओ : गर-----
3. शब्द बनाओ :
री ग र का - _____
4. गोला लगाओ (सही शब्द पर)
हल्दी/हलदी
5. शुद्ध करके लिखो :
मुख - _____